राग टोडी

टोडी (तोड़ी) बहुत प्रसिद्ध, सरल परन्तु गम्भीर प्रकृति का राग है। यह राग लोक–संगीत का अटूट अंग बन चुका है कि अनेकों लोक गीतों में इसकी सुरें गूंजती सुनती हैं। टोडी के बारे में प्रसिद्ध है कि यह राग गा के गवैया राज दरबार से बखशिशों की झोली भर लेता था। गुरबाणी में एक (परमात्मा) की स्तुति का मज़मून लिया है ताकि जीव दुनियावी दरों पर न भटके। जिन्होंने भी मनुष्यों के दर पकड़े वह दुखी, पर जिन्होंने प्रभु का पल्ला पकड़ा है वह–

cijokg lnk jfx gfj dk tk dk ik[k lvkehAA

आरोह	–	स रे ग, म प म ध, नी सं।
अवरोह	–	सं नी ध, प ध, म ग, रे स।
स्वर	–	ऋषभ, गंधार, धैवत कोमल, मध्यम तीव्र
थाट	–	तोडी
जाति	–	सम्पूर्ण–सम्पूर्ण
समय	–	दिन का द्वितीय प्रहर
वादी	–	धैवत
संवादी	–	गंधार
मुख्य अंग	–	ध़ ऩी स, रे ग, म ग रे ग, रे स।
स्वर विस्थार	–	1. स, ध़ ऩी स रे ग, रे ग, रे स, ऩी स रे स ध़, म़ ध़ ऩी ध़, ऩी स, रे ग म रे ग, रे ग म ध प, म ध म ग, रे ग रे स। 2. रे ग म ध प, म ग म ध नी ध प, म ध नी सं, ध नी सं रें गं, रें गं मं गं, रें गं रें सं, रें नी ध, प, म ध म ग, रे ग रे स।

टोडी महला ५ घरु ४ दुपदे

੧ੴ सतिगुर प्रसादि॥ (७१५)

रूड़ो मनु हरि रंगो लोड़ै ॥ गाली हरि नीहु न होइ॥रहाउ॥ हउ ढूढेदी दरसन कारणि बीथी बीथी पेखा॥ गुर मिलि भरमु गवाइआ हे॥१॥ इह बुधि पाई मै साधू कंनहु लेखु लिखिउ धुरि माथै॥ इह बिधि नानक हरि नैण अलोइ॥२॥१॥१८॥

टोडी महला ५॥ (७१८)

हरि हरि चरन रिदै उर धारे॥ सिमरि सुआमी सतिगुरु अपुना कारज सफल हमारे॥१॥ रहाउ ॥ पुन्न दान पूजा परमेसर हरि कीरति ततु बीचारे॥ गुन गावत अतुल सुखु पाइआ ठाकुर अगम अपारे॥१॥ जो जन पारब्रहमि अपने कीने तिन का बाहुरि कछु न बीचारे॥ नाम रतनु सुनि जपि जपि जीवा हरि नानक कंठ मझारे ॥२॥११॥३०॥

राग टोडी

(1) तीन ताल

LFkkbZ%

						स	स	रे	ग	रे	स	नी़	ध़	स	रे
						रू	ड़ो	म	नु	ह	रि	रं	गो	लो	0
ग	–	–	–	–	–	रे	ग	म	ध	म	ग	रे	ग	रे	स
ड़ै	0	0	0	0	0	रू	ड़ो	म	नु	ह	रि	रं	गो	लो	0
स	–	–	–	–	–	–	–	ध	–	प	प	प	–	प	प
ड़ै	0	0	0	0	0	0	0	गा	0	ली	0	0	0	ह	रि
प	–	प	प	मग	रेस	ग	–								
नी	0	हु	न	हो0	इ0	रू	ड़ो								
X				2				0				3			

vkrjk%

								म	म	म	ध	मध	नीसं	सं	–
								ह	उ	ढू	0	ढे0	दी0	0	0
–	संसं	रें	गं	रें	–	सं	सं	–	संसं	सं	सं	सं	सं	ध	–
0	दर	स	न	का	0	र	णि	0	बी0	थी	बी	थी	0	0	0
–	ग	रे	स	–	–	–	–	प	प	प	प	म	म	ध	ध
पे	खा	0	0	0	0	0	0	गु	र	मि	लि	भ	र	मु	ग
म	ग	रे	स	रे	स										
वा	0	इ	आ	हे	0										
X				2				0				3			

dhrudkj HkkbZ cychj flag verlj

राग टोडी

(2) ताल फरोदस्त

LFkkbZ%

								रे	गरे	–स	रे	गम	–ग
								ह	रिह	0रि	च	रन	0रि
ध	प	–	पप	म	ध	मग	रेस	ध़	ध़ध़	–ध़	स	–स	स
दै	0	0	उर	धा	0	रे0	00	सि	मरि	0सु	आ	0मी	0
ग	ग	ध	मग	रे	ग	रे	स	प	–प	–प	धध	–प	–प
स	ति	गु	रु0	अ	पु	ना	0	का	0र	0ज	सफ	0ल	0ह
म	धम	–ग	रे	ग	रे	स	–						
मा	00	00	0	रे	0	0	0						
X		0		2		0		3			4		

vrjk%

								प	पप	–ग	म	मध	–म
								पुं	0न	0दा	0	नपू	00
धनी	सं	सं	रेंगं	रें	–	सं	सं	गं–	गंरें	संसं	नी	संध	–म
जा0	0	प	र0	मे	0	स	र	ह0	रिकी	रति	त	0तु	0बी
धनी	सं	नीध	धप	धम	मग	गरे	स						
चा0	0	00	00	00	00	00	रे						
X		0		2		0		3			4		

अन्त में अंतरा तीन ताल (पंजाबी ठेका) में गायन किया है।

								ध	–	म	म	ध	ध	म	ध
								ना	0	म	र	त	नु	सु	नि
सं	सं	सं	सं	रें	–	सं	–	–	संसं	गं	गं	रें	संसं	ध	म
ज	पि	ज	पि	जी	0	वा	0	0	हरि	ना	न	क	कं0	ठ	म
म	ग	म	ध	म	रे	ग	रेस	संसं	गं	गं	रें	सं	–	नी	ध
झा	0	0	0	0	0	0	0रे	हरि	ना	न	क	कं	0	ठ	म
नीनी	धम	मध	नीसं	धनी	धम	मग	रेस								
झा0	00	00	00	00	00	00	0रे								
X				2				0				3			